3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) इह ते जअंति कइणो जअमिणमो जाण सअल-परिणामं।
वाआसु ठिअं दीसइ आमोअ-घणं व तुच्छं व॥

अथवा

(ब) दुज्जणसंसग्गीए, पजहदि णियगं गुणं खु सुजणो वि।
सीयलभावं उदयं जह पजहदि अग्गिजोएण।

4. समणसुत्त के अनुसार श्रावक जीवनचर्या का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

5. आचारांग में प्रतिपादित ज्ञान एवं अज्ञानी भेद को स्पष्ट कीजिए।

6. उत्तराध्ययनसूत्र के आधार पर जीवन की क्षणभंगुरता पर प्रकाश डालिए।

7. दशवैकालिक में उल्लेखित जीवन मूल्यों का वर्णन कीजिए।

8. मुक्तकाव्य के स्वरूप की दृष्टि से लज्जावग्ग का महत्त्व निर्धारित कीजिए।

9. ऐतिहासिक काव्य की दृष्टि से गउडवहो का वर्णन कीजिए।

DPL–02

December – Examination 2021

Diploma in Prakrit Language Examination

प्राकृत गद्य-पद्य

Paper : DPL-02

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : **100***

Note :– The question paper is divided into two Sections A and B. Write answers as per the given instructions.

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ' और 'ब' दो खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section–A **5×4=20**

(Very Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *five* questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to **30** words. Each question carries 4 marks.

खण्ड—अ

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

1. (i) समणसुत्त में कुल कितने प्रकरण हैं ?

   (ii) आगम किसे कहते हैं ?

   (iii) अर्धमागधी प्राकृत के साहित्य को कितने भागों में विभक्त किया गया है ? नाम लिखिए।

   (iv) 'लज्जावग्ग' किनकी रचना है ?

   (v) मुनि कस्तुरिविजय कृत प्राकृत रचना का नामोल्लेख कीजिए।

   (vi) रोहिणीणाए कथा कहाँ से ली गई है ?

   (vii) ससुरगेहवासीणं चउजामायराणं कहा के अनुसार ससुर का घर किसके तुल्य है ?

   (viii) लिंगपाहुड क्या है ?

   (ix) धन मनुष्य का प्राण है यह किस प्राकृतकाव्य में कहा गया है ?

   (x) प्राकृत गद्य के किसी **एक** ग्रन्थ का नाम लिखिए।

Section–B 4×20=80

(Short Answer Type Questions)

Note :– Answer any *four* questions. Each answer should not exceed **200** words. Each question carries 20 marks.

खण्ड—ब

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

   (अ) तए णं रायगिहे नयरे बहुजणो अन्नमन्नं एवमाइक्खइ—'धन्ने णं देवाणुप्पिया। धण्णे सत्थवाहे, जस्स णं रोहिणिया सुण्हा, जीए णं पंच सालिअक्खए सगडसागडिएणं निज्जाइए।'

   अथवा

   (ब) तया सो इंददत्तो वि सपुत्तो तत्थ समागओ। तं गणेसपडिमं दट्ठूणं पुत्तं कहेइ—''हे पुत्त! एसच्चिय सिप्पकला कहिज्जइ। केरिसी पडिमा निम्मविआ, इमाए निम्मावगो खलु धण्णयमो सलाहणिज्जो य अत्थि। पासेसु, कत्थ वि भुल्लं खुण्णं च अत्थि ? जइ तुमं एआरिसी पडिमं निम्मवेज्ज, तया ते सिप्पकलं पसंसेमि, नन्नहा।''